भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 989
उत्तर देने की तारीख 10.02.2025

तमिलनाडु में सांस्कृतिक परंपराओं का परिरक्षण

989. सुश्री एस. जोतिमणि :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था में तमिलनाडु के स्थानीय कारीगरों की भूमिका को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या विगत तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु राज्य में युवाओं को पारम्परिक सांस्कृतिक प्रथाओं के परिरक्षण में शामिल करने के लिए कोई पहल की गई थी;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त राज्य में ग्रामीण और हाशिए पर पड़े वर्गों तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): लोक कला और संस्कृति के विभिन्न रूपों को संवर्धित, संरक्षित और परिरक्षित करने तथा तमिलनाडु के स्थानीय कारीगरों की भूमिका को प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार ने तंजावुर (तमिलनाडु) में दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एसजेडसीसी) की स्थापना की है। एसजेडसीसी द्वारा तमिलनाडु सहित अपने सदस्य राज्यों में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के दौरान, आयोजन स्थल पर विभिन्न स्टॉल लगाए जाते हैं, जहां स्थानीय कारीगर आजीविका कमाने हेतु अपने हस्तनिर्मित उत्पादों को बिक्री के लिए प्रदर्शित करते हैं।

तमिलनाडु राज्य प्रामाणिक वस्त्र, शिल्प और वास्तुकला संबंधी परिसंपत्तियों के शोध और प्रलेखन के लिए, आत्मनिर्भर भारत डिजाइन केन्द्र (एबीसीडी) ने कलाक्षेत्र प्रतिष्ठान (संस्कृति मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संगठन), चेन्नई के साथ सहयोग किया है ताकि बुनाई (पट्टू पीताम्बरम), लकड़ी के ब्लॉक से प्रिंटिंग, अचुअड़गम और कलमकारी हस्त चित्रकला (व्रतापाणी) में डिजाइन इन्क्यूबेशन को सुविधाजनक बनाया जा सके। कलाक्षेत्र प्रतिष्ठान का उद्देश्य है बुनकरों, रंगरेज़ों और पारंपरिक वस्त्रों के डिजाइनरों की सहायता से तमिलनाडु के वस्त्र निर्माण में प्रयुक्त आकृतियों, बॉर्डर और चमकीले रंगों को पुनः प्रचलित करना। इसके अतिरिक्त, एबीसीडी ने पिट करघे पर बुने जाने वाले अनोखे सूती कालीन/दरी, जमाक्कलम (रंगीन मोटे धागे) की बुनाई में डिजाइन इन्क्यूबेशन को सुविधाजनक बनाने हेतु भवानी, एरोडे (तमिलनाडु) में कुमार गुरु संस्थाओं के बुनकर केन्द्र के साथ सहयोग किया है। 'परियोजना जमाक्कलम' का उद्देश्य तमिलनाडु के महत्वाकांक्षी बुनकरों के बीच राष्ट्रीय प्रसार के माध्यम से नवोन्मेष और अभिकल्पन की संस्कृति का सृजन करना है।

भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) का कार्यालय, केंद्रीय स्तर पर देश में हस्तशिल्प क्षेत्र के समग्र विकास के लिए नोडल एजेंसी है। विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के कार्यालय की विभिन्न स्कीमों के माध्यम से तमिलनाडु के कारीगरों की सहायता करने के लिए, इस राज्य में 04 हस्तशिल्प सेवा केंद्र (एचएससी) स्थित हैं।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) नामक प्रमुख स्कीम कार्यान्वित की गई है, जिसका उद्देश्य देश के युवाओं को पारंपरिक कारीगरों/शिल्पकारों सहित स्थानीय और ग्रामीण संस्कृति को बेहतर बनाने के लिए अल्पकालिक कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करना है।

एसजेडसीसी, तंजावुर (तमिलनाडु), पूरे वर्ष पारंपरिक सांस्कृतिक पद्धतियों के परिरक्षण में युवाओं को सम्मिलित करने के लिए मूर्तिकला, मिट्टी के बर्तन बनाने की कला, मुखौटा बनाने, ड्रम बनाने आदि पर कार्यशालाओं और प्रशिक्षण शिविरों का नियमित आधार पर आयोजन करता है।

(घ): तमिलनाडु राज्य में ग्रामीण और उपेक्षित समुदायों तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एसजेडसीसी द्वारा राज्य के दूर-दराज के क्षेत्रों में विभिन्न आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिससे लोगों को पारंपरिक भारतीय संस्कृति के बारे में अवगत कराया जा सके।

****